2022

HINDI

(Honours)

Paper : HIN-HC-3026

(भारतीय काव्यशास्त्र)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दस के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) "शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्"—काव्य-लक्षण के संदर्भ में यह कथन किस आचार्य का है?

(ख) काव्य-हेतु का आशय क्या है?

(ग) 'काव्यप्रकाश' नामक ग्रंथ के रचयिता कौन हैं?

(घ) करुण रस का स्थायी भाव क्या है?

(ङ) भरत मुनि के प्रसिद्ध रससूत्र का उल्लेख कीजिए।

(च) काव्य का प्राचीनतम लक्षण किस ग्रंथ में उपलब्ध है?

(छ) "तरनि तनूजा तमाल तरुवर बहु छाये"—इस काव्य-पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

(ज) 'ध्वनि सिद्धांत' के प्रवर्तक-आचार्य कौन हैं?

(झ) अलंकार सिद्धांत के प्रमुख दो आचार्यों के नाम लिखिए।

(ञ) किसी एक शब्दालंकार का नामोल्लेख कीजिए।

(ट) 'ध्वन्यालोक' किसके द्वारा लिखित ग्रंथ है?

(ठ) गुणीभूत व्यंग्यकाव्य कितने प्रकार के होते हैं?

(ड) "रीतिरात्मा काव्यस्य"—किस आचार्य ने ऐसा कहा है?

(ढ) आचार्य क्षेमेन्द्र द्वारा लिखित औचित्य-संबंधी ग्रंथ का नाम लिखिए।

(ण) 'औचित्य सिद्धांत' के प्रवर्तक कौन हैं?

(त) 'रीति' शब्द का अर्थ क्या है?

(थ) 'वक्रोक्ति सिद्धांत' के प्रतिष्ठापक आचार्य कौन हैं?

(द) वक्रोक्ति तत्त्व का सर्वप्रथम शास्त्रीय विवेचन करने वाले आचार्य कौन हैं?

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) काव्य-हेतुओं के विवेचन का महत्त्व समझाइए।

(ख) विभाव के दो प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

(ग) "वाक्यं रसात्मकं काव्यम्" का आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) साधारणीकरण का तात्पर्य क्या है?

(ङ) कायिक अनुभाव क्या है? स्पष्ट कीजिए।

(च) उपमा अलंकार के संदर्भ में उपमेय और उपमान किन्हें कहते हैं?

(छ) वक्रोक्ति को परिभाषित कीजिए।

(ज) रूपक अलंकार का एक उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

(झ) आचार्य वामन ने 'रीति' के संबंध में क्या कहा है? स्पष्ट कीजिए।

(ञ) 'औचित्य' के संबंध में आचार्य क्षेमेन्द्र के विचारों का उल्लेख कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) काव्य-प्रयोजन के संदर्भ में भरत मुनि के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

(ख) काव्य-हेतु के रूप में 'व्युत्पत्ति' की समीक्षा कीजिए।

(ग) स्थायी भावों की विशेषताएँ लिखिए।

(घ) गुणीभूत व्यंग्यध्वनि का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(ङ) उत्प्रेक्षा और उपमा अलंकार के अंतर को रेखांकित कीजिए।

(च) उदाहरण और संघटना के साथ यमक अलंकार पर प्रकाश डालिए।

(छ) रीति के तीनों भेदों का परिचय दीजिए।

(ज) प्रबंध वक्रता क्या है? परिचय दीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) आचार्य मम्मट द्वारा बताए गए काव्य-लक्षणों पर प्रकाश डालिए।

(ख) काव्य-हेतुओं पर भारतीय आचार्यों के मतों का उल्लेख कीजिए।

(ग) रस की परिभाषा देते हुए इसके स्वरूप पर विचार कीजिए।

(घ) साधारणीकरण पर सम्यक् विवेचन प्रस्तुत कीजिए।

(ङ) अलंकार की अवधारणा स्पष्ट करते हुए अनुप्रास, श्लेष और अतिशयोक्ति अलंकारों को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

(च) 'ध्वनि' शब्द की व्युत्पत्ति और अर्थ को स्पष्ट करते हुए उसकी परिभाषा दीजिए।

(छ) रीति सिद्धांत का सामान्य परिचय दीजिए।

(ज) 'औचित्य' का आशय स्पष्ट करते हुए इसके स्वरूप एवं महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

(झ) ध्वनि के भेदों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

(ञ) वक्रोक्ति के कुन्तक-निर्दिष्ट भेदों का वर्णन कीजिए।

★★★